तापमान
अधिकतम 32 .6 डिग्री
न्यूनतम 25 .5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 31 अगस्त 2025

08 खिलाड़ियों ने गांव से विश्व स्तर तक दिखाई अपनी प्रतिभा

09 टीबी जांच होगी तेज, जल्द मिलेंगी दो पोर्टेबल एक्स-रे मशीन

खबर संक्षेप

मायके आई महिला रुपये व जेवर ले गई

गोहाना। क्षेत्र के एक गांव में अपने मायके आई महिला रुपये व जेवर लेकर घर से चली गई। पिता ने बताया कि उसकी बेटी लगभग एक सप्ताह पहले उनसे मिलने के लिए घर आई थी। 29 अगस्त को बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। अलमारी से 40 हजार रुपये और जेवर साथ ले गई। हमने अपने स्तर पर उसकी तलाश की लेकिन सुराग नहीं लगा। उन्होंने आशंका जताई उसकी बेटी को किसी ने कहीं छुपा लिया है।

एक साल के बच्चे के साथ महिला लापता

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र से एक साल के अपने बच्चे के साथ महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव भैंसवाल निवासी एक युवक ने बताया कि उसकी पत्नी अपने एक वर्षीय बच्चे के साथ अचानक घर से लापता हो गई है। शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सैर करने निकले युवक को मारी टक्कर, घायल

गोहाना। सैर करने निकले खेड़ी दमकन के साहिल को लाठ जौली नहर पुल के पास पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक गाड़ी सहित फरार हो गया। घायल को राहगीरों ने अस्पताल में भर्ती करवाया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची सदर पुलिस ने साहिल की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बच्चों के झगड़े में जंग का मैदान बना शहर का निजी स्कूल

स्कूल में भिड़े अभिभावकों के दो गुट, लात-घूंसे और गोली चली

एक पक्ष ने लड़की से छेड़छाड़ तो दूसरे ने हथियार लहराकर गोली चलाने के लगाए आरोप बच्चों के झगड़े पर बुलाए थे अभिभावक, अस्पताल पहुंचे दोनों पक्षों से घायल

सोनीपत। निजी स्कूल में हुए झगड़े के बाद अस्पताल के आपातकालीन विभाग में उपचार के लिए पहुंचे घायल। *फोटो : हरिभूमि।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शहर थाना क्षेत्र स्थित निजी स्कूल में बच्चों के झगड़े में सुनवाई करने के लिए बुलाए गए दो पक्षों में झगड़ा कर मारपीट करने व स्कूल परिसर में हथियार लहराकर जान से मारने की धमकी देने के आरोप का मामला सामने आया है। मारपीट में हुए दोनों पक्षों के सदस्य नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने दोनों का उपचार करवाने के बाद छुट्टी मिल गई। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। स्कूल में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। समाचार लिखे जाने तक गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

एक पक्ष: 11वीं के छात्र बेटे को स्कूल में पीटा

शहर निवासी पवन मलिक ने बताया कि उसका बेटा शहर के स्कूल में 11 वीं कक्षा में पढ़ता है। उसे दो दिन पहले स्कूल के अंदर जाकर कुछ बच्चों ने झगड़ा कर मारपीट की। आरोप है कि एक लड़के के पिता ने भी स्कूल में आने के बाद उसके बेटे से मारपीट की। जिसका विरोध करने पर लड़के के पिता ने उसे मुंह से काटना शुरू कर दिया। परिजनों ने बीच-बचाव किया तो हथियार निकालकर हवा में लहराकर जान से मारने की धमकी दी। उसे झगड़े के दौरान काफी चोटें आई। घायल अवस्था में नागरिक अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी।

दूसरा पक्ष: 11वीं की छात्रा बेटी से छेड़छाड़

इस मामले में दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने बताया कि उसका बेटा व बेटी स्कूल में पढ़ते है। उसका बेटा दसवीं कक्षा व बेटी 11 वीं में पढ़ती है। गत दिनों पहले उसकी बेटी से छात्र ने अभद्रता की। उसके बेटे ने विरोध किया तो आरोपित छात्र ने उसके साथ झगड़ा कर दिया। इस बारे में उसे स्कूल प्रबंधन की तरफ से स्कूल में बुलाया गया था। आरोप है कि आरोपित छात्र के पिता व अन्य ने स्कूल परिसर के अंदर मारपीट कर घायल कर दिया। उपचार के लिए वह अस्पताल में पहुंचे। जहां उसने अपना उपचार करवाया।

दो गुटों के झगड़े की थी सूचना

बच्चों के झगड़े को लेकर दोनों पक्षों को स्कूल में बुलाया गया था। जहां दोनों पक्षों में झगड़ा होने व मारपीट करने व हथियार तक लहराकर धमकी देने की की सूचना मिली है। इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। स्कूल में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। जल्द से जल्द आगामी कार्रवाही अमल में लाई जाएगी।

-पवन कुमार, कार्यकारी प्रभारी शहर थाना।

रॉड और डंडों से किया था हमला, 6 माह बाद आरोपी काबू

सोनीपत। सिविल लाइन पुलिस ने रॉड व डंडों से युवक पर हमला करने के आरोपी समीर उर्फ सैम निवासी सिक्का कालोनी को गिरफ्तार किया है। एटलस रोड निवासी प्रदीप ने 10 मार्च को बताया था कि 8 मार्च की रात वह अपने घर की ग्राउंड फ्लोर पर बने ऑफिस में दोस्त के साथ बैठा था। तभी करीब 15 अज्ञात लोग शोर मचाते हुए उसके ऑफिस से सटी किराए की दुकान में घुस आए। कुछ के हाथ में डंडे और कुछ के हाथ में लोहे की रॉड थी। शोर सुनकर जैसे ही वह बाहर आया तो एक हमलावर ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया। शोर मचाने पर आसपास लोग इकट्ठा हो गए, जिसके बाद हमलावर उसे जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने एक अपचारी बालक और आरोपित जिशन उर्फ जस्सु पहले गिरफ्तार किया जा चुका है व बाकी की तलाश जारी है।

सोनीपत-नरेला रोड पर हादसा

ई-रिक्शा पलटने से चालक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

सोनीपत। मृतक की ई-रिक्शा। *फोटो : हरिभूमि।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत-नरेला रोड पर एक निजी यूनिवर्सिटी के पास बीती रात बड़ा हादसा हो गया। ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-27 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेजा। जहां परिजनों के बयान दर्ज कर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। परिजनों ने युवक की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

विवि के पास हुआ हादसा

मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान आशीष (22) निवासी गांव हरसाना के रूप में हुई है। आशीष फिलहाल बरोटा के पास किराए पर रहता था और रोजाना ई-रिक्शा लेकर सवारी ढोकर परिवार का गुजर-बसर करता था। बताया गया कि बीती देर रात वह रोज की तरह काम खत्म कर घर लौट रहा था। इसी दौरान निजी यूनिवर्सिटी के पास अचानक रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया और हादसे में उसकी मौत हो गई।

अभी कारण स्पष्ट नहीं

सेक्टर-27 थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ई-रिक्शा पलटने से चालक की मौत हो गई है। मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं अचानक हुई इस घटना से परिजनों और परिचितों में गहरा शोक है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह हादसा ई-रिक्शा के अनियंत्रित होने के कारण हुआ है। आगे की जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। परिजनों ने हत्या करने की आशंका जताई है। विसरा की जांच रिपोर्ट आने के बाद निमयानुसार कार्रवाई होगी।

'भगवान' की मर गई संवेदना, सिस्टम ने दिया जवान बेटे को खोने से ज्यादा दर्द

भटकता रहा व्यापारी का परिवार, नहीं मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

'भगवान' की संवेदना ऐसी मरी की जवान बेटा खोने वाले व्यापारी सतप्रकाश गोयल के परिवार को सिस्टम ने उससे भी बड़ा दर्द दे दिया। शुक्रवार को ट्रेन की चपेट में आने से बेटे की मौत हुई और शनिवार को परिवार दिनभर अपने बेटे का शव लेने के लिए भटकता रहा, परंतु शव नहीं मिला। कारण दोपहर तक शव को अस्पताल में रखने के बाद अचानक डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम करने से इंकार करते हुए खानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। शुक्रवार को हुए हादसे के बाद अभिषेक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाया गया। शनिवार को परिवार बेटे के आखिरी दर्शन कर अंतिम संस्कार की तैयारी करने की उम्मीद में सुबह करीब 9:30 बजे अस्पताल पहुंचे। जहां पोस्टमार्टम के लिए करीब डेढ़ घंटे इंतजार करवाया। फिर अचानक डॉक्टरों ने करीब 11 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए खानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

काम नहीं आई मिन्नतें

परिजनों की मिन्नतों व जनप्रतिनिधियों की सिफारिशों का भगवान कहे जाने वाले डॉक्टरों पर कोई असर नहीं हुआ तथा पोस्टमार्टम न करने की अपनी जिद के चलते शव खानपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया। शुक्रवार को डॉक्टरों ने शनिवार सुबह पोस्टमार्टम करने की बात कहकर परिजनों को घर भेजा था। जवान बेटे को खोने वाले व्यापारी गोयल के परिवार को सिस्टम से मिला दर्द न केवल दिनभर शहर में चर्चा का विषय बना रहा।

डॉक्टरों के खिलाफ हो कार्रवाई

जिला व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है कि एक शोकाकुल परिवार को इस तरह परेशान किया गया। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, ताकि भविष्य में किसी भी पीड़ित परिवार को ऐसी मानसिक यातना से न गुजरना पड़े।

विधवा ने वकील पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, कागज वापस करने के बहाने खरखौदा के होटल में बुलाया

खरखौदा। एक विधवा महिला ने वकील पर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उसके पति की मृत्यु वर्ष 2024 में हो गई थी। जमीन के इंतकाल के लिए वह वकील कुलदीप से मिली। वकील ने उसे जरूरी कागजात वापस देने के बहाने खरखौदा बुलाया व एक होटल में ले जाकर जबरदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए तथा किसी को बताने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी। फिर सोनीपत बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। 24 जुलाई को जब वह अपने केस के मामले में सोनीपत गई तो वकील ने उसे अपना केस किसी अन्य वकील से कराने की बात कही। इस तरह उसे वकील ने धोखाधड़ी करके उसका शारीरिक शोषण किया है। पुलिस ने आरोपी वकील के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

■ जमीन का इंतकाल करवाने के लिए की थी वकील से मुलाकात।

पत्नी के हत्या प्रयास में पति को 10 साल कैद

■ फोन दिलवाने से इंकार करने पर पेट्रोल डालकर लगाई थी आग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

एडीजे डॉ. जसबीर सिंह की अदालत ने पेट्रोल डालकर पत्नी को जलाने के आरोपी पति को दोषी मानते हुए 10 साल कैद व 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

जानकारी अनुसार विकास नगर निवासी अंजलि ने फरवरी 2021 में शिकायत दी थी। जिसमें बताया था कि उसकी शादी करीब 10 साल पहले दिल्ली के अमरपुरी गली नंबर-2 निवासी सोमपाल उर्फ सोनू के साथ हुई थी। वह सिलाई का काम करती थी, जबकि सोनू पेंटर था। शादी के बाद पति व ससुरालियों द्वारा प्रताड़ित की जाती रही थी। घटना से कुछ माह पहले वह पति के साथ किराए के मकान में रह रही थी।

6 फरवरी 2021 की रात सोनू शराब के नशे में घर आया। अगले दिन उसने अंजलि से नया मोबाइल दिलाने की मांग की। अंजली के मना करने पर सोनू ने गुस्से में आकर घर में रखी पेट्रोल की बोतल उस पर डालकर आग लगा दी। जिससे वह बुरी तरह से झुलस गई तथा चिल्लाने पर शोर सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो सोनू ने खुद का बचाव करने के लिए अपनी पत्नी को बचाने पत्नी अंजलि को बचाने का नाटक किया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और रोहतक पीजीआई में मजिस्ट्रेट के सामने अंजली के बयान दर्ज कराए और सोनू के खिलाफ हत्या की कोशिश समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। आरोपित को पुलिस ने उसी समय गिरफ्तार कर लिया था।

मामला तभी से अदालत में विचाराधीन था तथा मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद एडीजे डॉ. जसबीर सिंह की अदालत ने सोनू को हत्या प्रयास का दोषी मानते हुए दो धाराओं में 10-10 साल की कैद और 10-10 हजार रुपये जुर्माना भरने की सजा सुनाई।

युवक मांगकर ले गया कार वापस नहीं लौटाई, केस दर्ज

सोनीपत। कुंडली स्थित टीडीआई सिटी से युवक कार मांगकर ले गया और अब वापस नहीं लौटा रहा है। कार मालिक शिवम की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुंडली निवासी शिवम ने बताया कि करीब बिहार निवासी पवन उसके पास चालक था। 18 अगस्त को पवन अपनी बहन की शादी की बात कहकर दो दिन के लिए कार मांगकर ले गया। 21 अगस्त को जब उन्होंने पवन को कार लौटाने को कहा तो उसने पहले उसने आश्वासन दिया तथा फिर फोन उठाना बंद कर दिया। शिवम ने कार के जीपीएस की लोकेशन देखी तो वाहन लखनऊ में पाया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

■ बहन की शादी का बहाना बनाकर ले गया था कार।

रोड पर घूमने निकले व्यक्ति को वाहन ने मारी टक्कर, घायल

गोहाना। माहरा गांव के हरदीप ने बरोदा थाना की पुलिस को बताया कि वह आइटीआइ का छात्र है। उसके पिता नरेश गांव में ही रोड पर घूमने निकले थे। इस दौरान किसी वाहन ने उसके पिता को टक्कर मारी, जिससे वे घायल हो गए। हरदीप ने अपने पिता को भगत फूल सिंह राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें पीजीआइ रोहतक रेफर कर दिया।

स्वच्छता: नाले से निकला एक ट्रॉली कूड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

स्वच्छता अभियान के दौरान सड़क के साथ साथ नालों की भी सफाई की गई। मुरथल रोड पर सेक्टर 14 मोड़ के निकट नाले में एक स्थान से एक ट्रॉली कूड़ा निकला जो ज्यादातर कार का सामान बेचने वालों का था, कार के सीट कवर, फोम के टुकड़े नाले मे पानी चलने ही नहीं दे रहे थे।

मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में हर शनिवार को चलाए जा रहे स्वच्छ, स्वास्थ्य व सुंदर अभियान के तहत सफाई भगवत स्वरूप आश्रम से अग्रसेन चौक तथा आई टी आई चौक से बंदेपुर तक सघन तरीके से सफाई की गई। निगम टीम के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी रहे।

राजीव जैन ने बताया कि सरकार द्वारा 11 सप्ताह के लिए हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है। इसमें सभी सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों का सहयोग लिया जायेगा। लोगों के साथ लगातार बैठकें करके स्वच्छता अभियान में सहयोग मांगा जा रहा है। अभियान में सीएसआई सतेंद्र दहिया, सुंदर मलिक, अधिवक्ता नकिन मेहरा, जोगेंद्र, शैलेन्द्र तोमर, कली राम, बिन्द्र सैनी, वेद सैनी, विक्की मौजूद रहे।

■ कार बेचने वाला का था कूड़ा, हर शनिवार को चला रहे अभियान।

गढ़ी कलां के पास नाले में गिरा गोवंश, जेसीबी की सहायता से तीन घंटे की मशक्त के बाद निकाला

गन्नौर। गढ़ी कला गांव के पास शनिवार दोपहर खुले नाले में एक गोवंश गिर गया। स्थानीय लोगो ने उसे निकालने का प्रयास किया, लेकिन नाला तंग होने से सफलता नहीं मिली। जिसके बाद जेसीबी की मदद से करीब तीन घंटे की मशक्त के बाद गोवंश को नाले से बाहर निकाला। ग्रामीणों का आरोप लगाया है कि खुले नाले में कई बार गोवंश गिर कर घायल ही चुके हैं। खुले नालों को बंद करवाने के लिए प्रशासन को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कोई समाधान नही हो रहा। विभाग द्वारा न तो नालों की सफाई कराई गई ओर न ही नालों पर स्लैब लगाए गए। उन्होंने एसडीएम प्रवेश कादियान से इस संबंध में संज्ञान लेते हुए नालों की सफाई करवा कर उन पर स्लैब रखवाने की मांग की है।

उपायुक्त ने किया चार गांवो का दौरा

अवैध कॉलोनियों पर होगी कार्रवाई

■ अवैध कॉलोनी में मकान बनाने पर नहीं मिलेगी कोई भी सुविधा : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

उपायुक्त सुशील सारवान ने शनिवार को अधिकारियों के साथ लड़सौली, बेगा, गन्नौर, बड़ी तथा टेहा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रही अवैध कालोनियों और अवैध निर्माणों पर अधिकारियों को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ किया कि दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के साथ-साथ अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील करी कि बिना स्वीकृत नक्शे और अनुमोदन के किसी भी कॉलोनी में भूखंड न खरीदें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न उठानी पड़े। जिला उपायुक्त ने कहा कि अवैध कालोनियों में सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी या शिकायत के लिए लोग सेक्टर-15 स्थित एचएसवीपी काम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर जिला नगर योजनाकार कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इस मौके पर एसडीएम प्रवेश कादियान, जिला नगर योजनाकार अजमेर सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते डीसी

धान की फसल का निरीक्षण करते कृषि अधिकारी

धान को बारिश से अभी नुकसान नहीं

गोहाना। कृषि विभाग की टीम ने शनिवार को गांव भंडेरी में धान की फसल की जांच की। अधिकारियों ने किसानों को मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपनी फसल का पंजीकरण करवाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा ने कहा कि धान की फसल जांच में किसी बीमारी के लक्षण तो नहीं हैं व बरसात से अभी फसलों में कोई नुकसान भी नहीं है। किसान 31 अगस्त तक अपनी फसल का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण अवश्य करवाएं।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय खेल दिवस पर स्कूलों में करवाया योग

खरखौदा। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ राम अवतार के नेतृत्व में 29 से 31 अगस्त तक जिला भर में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जिला समन्वयक अधिकारी डॉ विनोद और योग स्पेशलिस्ट संगीता देवी के मार्गदर्शन में योग सहायक नीलम, सुमन, अजय के द्वारा गांव सिलाना, तुर्कपुर व्यामामशाला व स्कूलों में खेल का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चो ने भाग लिया और आमजन से अपील की कि इन आयोजनों में भाग ले।

मानव श्रृंखला बनाकर रचा 'गणपति स्वरूप'

गोहाना। गोहाना-पानीपत मार्ग स्थित दून पब्लिक स्कूल में शनिवार को गणेश चतुर्थी समारोह धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों की सहभागिता से आयोजित यह कार्यक्रम उत्साह एवं आस्था का अद्भुत संगम बना। समारोह की आकर्षक झलक विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला के रूप में रचित भगवान गणेश का जीवंत स्वरूप रहा। यह अनोखा दृश्य सभी के लिए श्रद्धा और प्रेरणा का केन्द्र बना। स्कूल के एमडी राजेश कुमार और प्राचार्या ज्योति ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सामूहिकता की भावना की सराहना की।

ट्यूलिप अस्पताल में प्रारंभ ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाएं

सोनीपत। बहालगढ़ रोड स्थित अस्पताल में ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की है। विशेषज्ञ मेडिकल ऑन्कोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. कुमार दीप दत्ता चौधरी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर एवं यूनिट हेड डा. अनादी पचौरी और हीमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बीएमटी विभाग की प्रिंसिपल कंसल्टेंट डा. अमृता रामस्वामी मौजूद रहे। ट्यूलिप अस्पताल के डायरेक्टर्स डा. अनुराग अरोड़ा और डा. अनुपमा सेठी अरोड़ा ने भी भागीदारी की।

दादा कुशाल सिंह का बलिदान दिवस मनाया जाएगा: वीरेन्द्र

खरखौदा। मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेन्द्र बड़खालसा ने जागृति स्थल पर उपस्थित जनसमूह संबोधित करते कहा कि 15 नवंबर को गुरु तेग बहादुर, दादा कुशाल सिंह दहिया का प्रदेश स्तरीय बलिदान दिवस मनाया जाएगा। दादा कुशाल सिंह ने गुरु तेग बहादुर के शीश की रक्षा करते अपना बलिदान दिया था। यह आयोजन उनके बलिदान के 350 वर्ष पूरे होने पर होगा। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमेशा धर्म और समाज की रक्षा के लिए अपना तन-मन अर्पित किया है, लेकिन कई बलिदान इतिहास की चर्चा में भी नहीं है। इस मौके पर हरियाणा के हर गांव से मिट्टी और पानी लाकर उस पावन स्थल को सींचा जाएगा।

1840 को पाठ्य सामग्री वितरित

गोहाना। राज्य सरकार द्वारा 15 वर्ष की आयु से ऊपर के सभी निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए उल्लास कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। गत वर्ष शैक्षणिक खंड गोहाना के लगभग 29 सौ व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम के तहत पेपर दिया था। शनिवार को खंड गोहाना के नोडल अधिकारी प्राचार्य सतेंद्र दहिया ने पेपर देने वाले व्यक्तियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया व चिह्नित 1840 व्यक्तियों को पाठ्य सामग्री वितरित की। मार्गदर्शन खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र सांगवान का रहा। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से बीआरसी रविंद्र, शीला, एबीआरसी संजय मौजूद रहे।

यूनिक लाइब्रेरी के शिविर में 98 ने किया रक्तदान

गोहाना। यूनिक लाइब्रेरी के 12वें शिविर में शनिवार को 98 नागरिकों ने रक्तदान का पुण्य बटोरा। यह शिविर गांव लाखन माजरा में गोहाना मार्ग स्थित यूनिक लाइब्रेरी में सम्पन्न हुआ। शिविर की अध्यक्षता मनजीत दलाल चिड़ी ने की। उन्होंने कहा कि रक्तदान हर नागरिक का एक सामाजिक कर्तव्य है। हम इस सेवा से किसी अनजान व्यक्ति को जीवदान दे सकते हैं। शिविर में महावीर आर्य, नरेश चिड़ी, और एडवोकेट रोहतास सहित अन्य नागरिकों ने रक्तदान कर युवाओं का हौंसला बढ़ाया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के दूसरे दिन भी हुई खेल प्रतियोगिताएं

जिले के खिलाड़ियों ने गांव से विश्व स्तर तक दिखाया प्रतिभा का दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन ने आगामी प्रतियोगिता के लिए दी शुभकामनाएं

हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर जिले में शुक्रवार को शुरू हुई खेल प्रतियोगिताएं शनिवार को भी जारी रही। जिले के खिलाड़ियों ने गांव से लेकर विश्व स्तर तक अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। जिले में साउथ पॉइंट स्कूल ताइक्वांडो खिलाड़ी सारिका व खुशी ने जिला स्तरीय स्कूल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार खेल दिखाते अपने-अपने आयु वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की ओर से जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन ब्राइट स्कॉलर स्कूल में 20 से 21 अगस्त तक किया गया था। जिसमें साउथ पॉइंट के दोनों छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते जीत हासिल की। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली दोनों खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने विजेता खिलाड़ियों को जीत की बधाई देते प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि जिला स्तरीय स्कूली खेलों की ताइक्वांडो स्पर्धा में विभिन्न स्कूलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने भाग लिया था। सभी ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। अंडर-19 आयु वर्ग में साउथ पॉइंट स्कूल की 12वीं विज्ञान संकाय की छात्रा सारिका ने 44 किलो भार वर्ग में और 12वीं (विज्ञान संकाय) की खुशी ने 49 किलो भार वर्ग में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए स्कूल का नाम रोशन किया है। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि सारिका और खुशी ने साबित किया है कि मेहनत और समर्पण से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।

सोनीपत। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री, सीईओ भावना कालरा, कार्यकारी निदेशक डॉ. ममता सचदेवा व अन्य के साथ विजेता खिलाड़ी।

गन्नौर। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा चयनित स्कूल के छात्रों के साथ।

रौनक स्कूल के 140 छात्र राज्य स्तरीय खेलों के लिए चयनित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल के 140 छात्रों ने एसजीएफआई द्वारा आयोजित विभिन्न खेलों में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। बेसबॉल (अंडर14 वर्ष आयु वर्ग) में लड़कों की ओर से कक्षा आठवीं के रूद्र, आदर्श, ओजस, फरहान, यश, अग्रिम, वासुदेव, आर्यन तथा कक्षा सातवीं के शौर्य और यक्ष का चयन हुआ है। वहीं, लड़कियों में कक्षा नौवीं की राधिका, मानवी, कक्षा छटी की परिधि, अपेक्षा, अवनी, गरिमा, यंशु, सहजल और कक्षा पांचवी की अवनि व वंशिका ने जगह बनाई है। सॉफ्टबॉल में 14 वर्ष आयु वर्ग में भी राधिका, मानवी, नवीन, परिधि, अपेक्षा, अवनी, गरिमा, वंशु, सहगल, अवनी और वंशिका का चयन हुआ। बेसबॉल में 17 वर्ष आयु वर्ग में कक्षा 10वीं के हर्ष, राघवेंद्र, मनित, वेदांत सहित 13 छात्र और कक्षा नौंवी के दैविक चुने गए। वहीं सॉफ्टबॉल 17 वर्ष में कक्षा नौंवी की अन्वी, गीत, राधिका, रिया ठाकुर समेत दस छात्राएं तथा कक्षा सातवीं की तन्वी व अरीषा शामिल हैं। बेसबॉल व सॉफ्टबॉल 19 वर्ष आयु वर्ग में कक्षा बाहरवीं के दक्ष पवार, पुलकित, पूर्व पहल सहित 12 छात्र और कक्षा 12वीं की गाथा, ख़ुशी, सौम्या, नेहा, लावण्या सहित 11 छात्राओं ने स्थान बनाया। प्राचार्या रजनी शर्मा ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय के लिए गर्व की बात है।

गन्नौर। बाल भवन स्कूल में मैच के दौरान खेलते स्कूल के छात्र। फोटो :हरिभूमि

लड़कियों की वॉलीबॉल टीम में ग्लोरी प्रथम और प्रेस्टिज हाउस रहा द्वितीय

- बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपालक्ष्य में एक दिवसय विभिन्न खेलों के मैच हुए। शुभारंभ प्रधानाचार्य जय भारत गुप्ता, समन्विका नेहा सिंधु ने किया। इसके बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिनमें फुटबॉल, वॉलीबॉल तथा अन्य विभिन्न प्रकार के खेल शामिल थे। लड़कियों की वॉलीबॉल टीम में प्रथम स्थान ग्लोरी हाउस ने तथा द्वितीय स्थान डिवाइन हाउस ने प्राप्त किया तथा लड़को की वॉलीबॉल टीम में प्रेस्टीज हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा ग्लोरी हाउस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। फुटबॉल सीनियर टीम में डिग्निटी हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा डिवाइन हाउस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा फुटबॉल जूनियर टीम में प्रेस्टीज हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा ग्लोरी हाउस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल शरीर को स्वस्थ ही नहीं रखते, बल्कि जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं।

टीकाराम गर्ल्स कॉलेज में करवाया सूर्य नमस्कार

सोनीपत। टीकाराम गर्ल्स कॉलेज के राष्ट्रीय खेल दिवस के दूसरे दिन कॉलेज प्रांगण में योग का आयोजन किया गया। कॉलेज प्राचार्या कंचन सीधर ने हिस्सा लेकर इस कार्यक्रम की शोभा बढाई। योग प्राध्यापिका अल्का दहिया ने सभी को योग के बारे में जानकारी देते सूर्य नमस्कार करवाया। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका डॉ. सुमन मान ने बताया की दूसरे दिन छात्राओं के लिए गतिविधियों का आयोजन करवाया गया। टीकाराम एजुकेशन सोसइटी के प्रधान सुरेंद्र सिंह दहिया ने भी कॉलेज के सभी सदस्यों व छात्राओं को इस दिन की बधाई दी।

स्मृति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि अनुराग हाउस उपविजेता

- चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल में इंटर हाउस जीके प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल में इंटर हाउस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता हुई। जिसमें विद्यालय की चारों हाउस प्रगति, चेतना, स्मृति और अनुराग हाउस ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की। प्रतिभागियों ने तीव्र गति से प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा और तर्कशक्ति का प्रदर्शन किया।

बच्चों की तत्परता और आत्मविश्वास ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कड़े मुकाबले के बाद स्मृति हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि अनुराग हाउस उपविजेता घोषित हुआ। प्रगति हाउस और चेतना हाउस ने भी सराहनीय प्रदर्शन कर दर्शकों की प्रशंसा अर्जित की। स्कूल के निदेशक अजय यादव और प्रधानाचार्य अरुण गौतम ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में ज्ञान, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करती हैं।

इंटर हाउस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लेते चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

गोहाना। स्थानीय गीता विद्या मंदिर में बालसभा के अंतर्गत भारतीय संस्कृति ज्ञान पर प्रश्न मंच प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग में चाणक्य सदन के ईशांत, चिराग एवं अर्णव ने प्रथम, दयानंद एवं शिवाजी सदन के योगेश, शिवांश, तरुण, वैभव, दीपांशु और जसकीरत ने द्वितीय जबकि विवेकानंद सदन के शाश्वत, हार्दिक एवं वंश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में लव-कुश, उदय, हर्षित, वैभव, दीपांशु, तेजस, लक्ष्य और हर्ष ने चाणक्य एवं विवेकानंद सदन को प्रथम स्थान दिलाया। दयानंद सदन के अर्चित, विशु, रिहांशु एवं हिमांशु द्वितीय स्थान पर रहे जबकि शिवाजी सदन के रियान, विशाल, राघव और अमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में विवेकानंद सदन, चाणक्य सदन के यश कंसल और शिवाजी सदन के अभिनव जबकि कनिष्ठ वर्ग में विवेकानंद सदन से केशव ने, शिवाजी सदन से रवि मलिक और दयानंद सदन से सागर क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। प्राचार्य अश्विनी कुमार ने विजेताओं को सम्मानित किया।

पायल-जया ने पाया प्रथम स्थान

- जीवीएम गर्ल्ज कालेज में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जन-जन को यही संदेश, नशामुक्त हो अपना देश थीम पर जीवीएम गर्ल्ज कालेज में आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में पायल व जया संयुक्त रूप से अव्वल रही। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विजेताओं को बधाई देते हुए नशे को जड़ से खत्म करने के लिए एकजुट प्रयासों पर बल दिया। जीवीएम के युवा नशा निषेध प्रकोष्ठ और तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। प्रतियोगिता में इकतालिस छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम की संयोजक प्राध्यापिका डा. निहारिका ने आयोजन के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी।

प्रतियोगिता में पायल व जया ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं हिना व खुशी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान और एकता तृतीय स्थान पर रही। इनके अलावा तनु व छवि को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की भूमिका का निर्वहन प्राध्यापिकाओं डा. अनीता सैनी व रोजी चोपड़ा ने किया। इस अवसर पर आयोजक प्रकोष्ठों की सहयोगी प्राध्यापिकाएं ले. प्रियंका और कुसुम तथा स्टाफ सदस्य मीतू भी मौजूद रही।

सोनीपत। प्रतियोगिता के दौरान अपने बनाए पोस्टर दिखाती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

खरखौदा। योग क्रियाएं करती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

योग करने के लिए किया प्रेरित

खरखौदा। राजकीय कन्या महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. तराना नेगी और इंचार्ज डॉ. किरण सरोहा के नेतृत्व में शारीरिक शिक्षा विभाग, खेल क्लब और योग क्लब के सामूहिक तत्वाधान में खेल उत्सव मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में खेल उत्सव के दूसरे दिन महाविद्यालय में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की 40 छात्राओं ने भागीदारी कर विभिन्न प्रकार की योगिक क्रियाएं की। छात्राओं ने योग के माध्यम से ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, ओम का उच्चारण, सूर्य नमस्कार आदि योग क्रियाएं की। जीवन में खेलों के महत्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें भूमिका, महक, आरती, दीप्ति, मुस्कान, ईशा, छात्राओं ने खेलों की उपयोगिता के बारे में विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. दर्शना, डॉ. प्रमिला, डॉ. सारिका ने छात्राओं को जीवन में स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन आधा घंटा सुबह या शाम योग करने के विषय में प्रेरित किया।

ओम शांति शिक्षा सदन में अध्यापन कौशल को विकसित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

अध्यापकों को शिक्षण कौशल में पारगंत बनाने के लिए ओम शांति शिक्षा सदन विद्यालय में अध्यापक की भूमिका, एकमार्गदर्शक विषय पर करवाई गई। कार्यशाला की शुरुआत, रिसोर्स पर्सन रितु नारंग, विद्यालय के प्रबंधक योगराज भारद्वाज और प्राचार्य राजेश कुमार गुप्ता द्वारा की गयी। प्रधानाचार्य शर्मा ने कहा कि सीबीएसई के विषय पर प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी नई द्वारा बनाई शिक्षा नीति पर आभार व्यक्त किया। कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन ने सभी शिक्षकों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पारंगत किया। आज के युग में शिक्षा के उद्देश्य, स्वयं सीखने की क्षमता पर विशेष रूप से समझाया। कार्यशाला में अध्यापक की भूमिका के लिए न केवल ज्ञानवर्धक रही बल्कि उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक हुई।

प्रतिभागी छात्राओं के साथ स्कूल निदेशक योगराज भारद्वाज व प्रधानाचार्य।

खरखौदा। रक्तदान करते रक्तदाता का हौसला बढ़ाते आयोजक।

विधि-विधान से किया हवन

खरखौदा। दिल्ली पुलिस के जवान सोनू दहिया के पुत्र के जन्मदिवस को खांडा गांव वासियों ने सामूहिक रूप से हर्ष और श्रद्धा के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत गांव के दादा किशोर दस, बाबा बंदा बहादुर और श्रीराम मंदिर में विधि-विधान से यज्ञ हवन के साथ हुई। इसके उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का संचालन रेड क्रॉस सोसायटी ब्लड बैंक की टीम ने किया। जिसमें डॉ. अनुराग, काउंसलर जनमय, लैब टेक्नीशियन संजय, अमित मुद्गल, लैब सहायक भरत, रमेश चतुर्वेदी, लैब अटेंडेंट संदीप, बिजेंद्र और चालक चिरंजी लाल शामिल रहे। रक्तदान शिविर शतकवीर रक्तदाता एवं कांस्य पदक प्राप्त कमांडो आशीष दहिया के नेतृत्व में तथा राज्यपाल अवॉर्डी पारुल दहिया और दिल्ली पुलिस की सिपाही पूजा कौशिक की देखरेख में आयोजित हुआ। जिसका शुभारंभ दिल्ली पुलिस अधिकारी जगबीर सिंह ने स्वयं रक्तदान कर किया। शिविर की सफलता में ढीकन वाला आश्रम के सेवादार मंदीप, छोटा आशीष, पहलवान आशीष, साहिल और तिरंगा युवा समिति की टीम का भी विशेष योगदान रहा।

प्रतियोगिता | दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शानदार समापन

अर्जुना स्पोर्ट्स अकादमी को संघर्षपूर्ण मैच में 5-4 से हराकर जीआर फुटबॉल क्लब जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की स्मृति में राइट टू फुटबॉल तथा हिंदू शिक्षण एवं धर्मार्थ समिति द्वारा संचालित अर्जुना स्पोर्ट्स अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन देर शाम खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में जीआर फुटबॉल क्लब ने अर्जुना स्पोर्ट्स अकादमी हिंदू स्कूल को संघर्षपूर्ण मैच में 5-4 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। अर्जुना स्पोर्ट्स अकादमी हिंदू स्कूल की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को 7100 नगद, चमचमाती ट्रॉफी एवं मैडल प्रदान किए गए, जबकि उपविजेता टीम को 5100 नगद, ट्रॉफी एवं मैडल मिले। प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने भाग लिया। स्टेप्स फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित यह प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट आधार पर खेली गई। पहले सेमीफाइनल में अर्जुना स्पोर्ट्स अकादमी हिंदू स्कूल ने मार्क फुटबॉल क्लब को 3-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में जीआर फुटबॉल क्लब ने रोमांचक मुकाबले में डीएवी को 2-0 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। पुरस्कार वितरण समारोह में हिंदू शिक्षण संस्था एवं धर्मार्थ समिति के प्रधान श्री राजीव अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में हिंदू विद्यापीठ के प्रिंसिपल नरेंद्र कुमार, अंतरराष्ट्रीय हॉकी कोच नरेंद्र गौतम, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी जितेंद्र कुमार, प्रदीप पालीवाल, राइट टू फुटबॉल की चेयरपर्सन अनिता मलिक एवं सज्जन कुमार शामिल रहे।

ये रहे मौजूद

प्रतियोगिता के संयोजक व जिला फुटबॉल संघ के महासचिव नरेश मलिक, सह सचिव सुरेंद्र सिंह, विशेष दहिया, विजय शर्मा, उत्तम कुमार, सुधीर राठी, अभिषेक दहिया, पंकज राठी, राकेश सहरावत, दीपक, सत्य प्रकाश, प्रवीण, ऋषिवान, पंकज, नीतीश, रितिका, राहुल, सरगम, राकेश, कृष्णा सहित अनेक खेलप्रेमी मौजूद रहे।

खरखौदा। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने जाते खिलाड़ी। फोटो :हरिभूमि

अपर्णा व रवि ब्राज़ील रवाना

खरखौदा। 17 वीं वर्ल्ड वुशु चैम्पियनशिप जो 31 अगस्त से 8 सितम्बर तक ब्राजील में आयोजित होने जा रही है। जिसमें भाग लेने के लिए प्रताप विद्यालय की प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपर्णा दहिया (52 किग्रा वर्ग) और रवि पांचाल (60 किग्रा वर्ग) भारतवर्ष का प्रतिनिधित्व करने के लिए ब्राजील रवाना हुए। कोच ओमप्रकाश दहिया ने बताया कि अपर्णा दहिया अब तक चार बार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं, वहीं रवि पांचाल छः बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल कर चुके हैं। हाल में ही अपर्णा दहिया ने चीन में आयोजित एशियन वुशु चैम्पियनशिप व रवि पांचाल ने वर्ल्ड वुशु चैमपियनशिप में मैडल जीतकर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। इस शानदार उपलब्धि पर द्रोणाचार्य अवार्डी ओ.पी. दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, प्राचार्या दया दहिया और वुशु कोच विनोद गुलिया ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी।

खबर संक्षेप

जनसंख्या नियंत्रण कानून समय की मांग

गोहाना। हरियाणा कांग्रेस कमेटी व्यापार सैल के पूर्व चेयरमैन मुकेश तायल ने कहा कि देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून आज समय की मांग है। देश में यह कानून सभी जाति, धर्म और मजहब के लोगों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। अगर केंद्र व राज्य सरकारों ने इस दिशा में जल्द संज्ञान नहीं लिया तो निकट भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। कांग्रेस वरिष्ठ नेता मुकेश तायल ने संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के माध्यम से भारत में जनसंख्या विस्फोट का चौकाने वाला खुलासा किया। तायल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2025 तक भारत की जनसंख्या 1.46 अरब तक पहुंच चुकी है।

विद्यार्थियों को एनडीए के बारे में दी जानकारी

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शनिवार को छात्रों में देशभक्ति की भावना जागृत करने और भविष्य के लिए सही दिशा-निर्देशन देने हेतु एनडीए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों को देश की सुरक्षा के लिए कार्य कर रही नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में माध्यमिक और वरिष्ठ वर्ग के छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक नीरज शर्मा के नेतृत्व में किया गया।

टीका राम शिक्षा कॉलेज छात्रों ने किया टॉप

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल द्वारा एमएड कक्षा के द्वितीय सेमेस्टर का घोषित परिणामों में टीकाराम शिक्षा महाविद्यालय के छात्रों कुमारी काजल कौशिक और पुलकित ने 9.27 सीजीपीए (88.06%) अंक प्राप्त कर विश्व विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि एमएड के परिणाम के अनुसार दिव्या एवम ज्योति आंतिल ने सीजीपीए 8.97 (86.4%)अंक प्राप्त कर विश्व विद्यालय में संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

समारोह में 104 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गोहाना। राजकीय प्राथमिक विद्यालय छिछड़ाना में शनिवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कक्षा पहली से लेकर कक्षा 5वीं तक के 104 विद्यार्थी सम्मानित हुए।

समारोह की अध्यक्षता मुख्य शिक्षक संतराम ने की। संयोजन संस्कृत प्रवक्ता सत नारायण वशिष्ठ ने किया।

निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रेरणा रही प्रथम

खरखौदा। दिल्ली मार्ग पर स्थित जे.बी.एच. स्कूल में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा पहली से कक्षा आठवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वच्छता का महत्व विषय पर निबंध लिखा। स्कूल प्रधानाचार्या सुमन दहिया ने बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलु है, जो एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करता है। हर व्यक्ति के लिए उनके आस-पास स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है।

विभाग की टीमें गांव-गांव जाकर कर सकेंगी एक्सरे

टीबी जांच को मिलेगी रफ्तार, जल्द मिलेंगी दो पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें

मशीनों से हर दिन करीब एक हजार लोगों की जांच संभव होगी, औसतन हर महीने लगभग 514 मरीजों में टीबी का संक्रमण पाया गया, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने लोगों की मदद के लिए टोल-फ्री नंबर जारी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिले में क्षय रोग (टीबी) की जांच को लेकर अब गति बढ़ने वाली है। टीबी शाखा को भारत सरकार की ओर से जल्द ही दो पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें मिलने वाली हैं। अस्पताल में फिलहाल जो मशीन थी, उसे कुरुक्षेत्र भेजा गया है, जहां इन दिनों टीबी के खिलाफ मेगा अभियान चल रहा है। इस कारण जांच का कार्य प्रभावित हो रहा था। नई मशीनें आने के बाद फील्ड स्तर पर सीधे जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

अस्पताल प्रबंधन की तरफ से मशीनें मिलने के बाद जांच प्रक्रिया को तेजी से बढ़ाया जायेगा। बता दें कि पोर्टेबल मशीनों से हर दिन करीब एक हजार लोगों की जांच संभव होगी। इस सुविधा से लोगों को अस्पताल आने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि गांव-गांव और फील्ड में ही एक्स-रे रिपोर्ट दी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार नए मरीज सामने आ रहे हैं। विभाग मरीजों को उपचार के साथ-साथ प्रोटीन डाइट के लिए आर्थिक मदद भी देता है, ताकि वे जल्दी स्वस्थ हो सकें।

खास बातें

- विभाग मरीजों को उपचार के साथ-साथ प्रोटीन डाइट के लिए आर्थिक मदद भी देता

बेहतर सुविधाएं मिलेगी

पोर्टेबल एक्स-रे मशीनें जल्द ही जिले को मिलेंगी। इससे टीबी मरीजों की फील्ड में ही जांच और बेहतर उपचार संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को सतर्क रहने और किसी भी लक्षण की अनदेखी न करने की जरूरत है।

-डा. तरूण यादव, टीबी विभाग नोडल अधिकारी जिला नागरिक अस्पताल।

टीबी के मुख्य लक्षण

विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक खांसी बनी रहती है, बलगम में खून आता है, लगातार वजन कम हो रहा है, शाम को बुखार आता है या रात में पसीना आता है तो उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच करानी चाहिए। ये सभी टीबी के प्रमुख लक्षण हैं।

इस साल 3604 मरीज चिन्हित किए जा चुके

जनवरी से जुलाई तक 3604 मरीज चिन्हित किए जा चुके हैं। औसतन हर महीने लगभग 514 मरीजों में टीबी का संक्रमण पाया गया है। टीबी का संक्रमण सबसे ज्यादा उन लोगों से फैलता है जिन्हें बलगम की समस्या होती है। ऐसे मरीज खांसते और थूकते समय दूसरों को भी संक्रमित कर सकते है। इसलिए संक्रमित व्यक्तियों को विशेष एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने लोगों की मदद के लिए टोल-फ्री नंबर जारी किया है। नंबर पर कॉल कर टीबी से संबंधित जानकारी और इलाज से जुड़ी मदद ली जा सकती है।

गन्नौर। फ्रेशर पार्टी की विजेता छात्राओं के साथ जैन शिक्षण सोसायटी के अध्यक्ष आनंद जैन व स्टाफ।

जैन कन्या कालेज में फ्रेशर पार्टी में जमकर थिरकी छात्राएं

गन्नौर। जैन गर्ल्स कालेज नई छात्राओं के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छात्राओं ने नृत्य, गायन, कविता पाठ, नाट्य मंचन और फैशन शो जैसी आकर्षक प्रस्तुतियों से वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इस अवसर पर सीएएस जैन शिक्षण सोसायटी के अध्यक्ष आनंद जैन मुख्य अतिथि के रूप में तथा निदेशिका भूषण भाटिया कालेज प्रधानाचार्य डा. मनोज कुमार, स्कूल की उप प्रधानाचार्य डा. शालिनी जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विजेता छात्राओं को मिस फ्रैशर, मिस ब्यूटी, मिस पर्सनेलिटी व मिस गोर्जियस व अन्य खिताब से नवाजा गया। प्राचार्य डा. मनोज कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास व सौहार्द को बढ़ावा देते हैं।

गढ़ी कला में गलियों व नालियों के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री लगाने का आरोप

गन्नौर। गढ़ी कला गांव में चल रहे गलियों व नालियों के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के प्रयोग का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने विरोध करते हुए प्रशासन से निर्माण कार्य की जांच करवाने की मांग की है। विरोध कर रहे ग्रामीण सलीम, अदरस, पूर्व सरपंच कुमत का कहना है कि गांव में पंचायत विभाग द्वारा गलियों व नालियों का निर्माण करवाया जा रहा है। आरोप है कि ठेकेदार नाली निर्माण के लिए ईंट की 3 परत बिना सिमेंट की रख कर उस पर घटिया सामग्री का प्रयोग कर रहा है। वहीं गलियों के निर्माण में भी खामियां बरती जा रही हैं।

दो महीने में टूटी सड़क, किया प्रदर्शन

माछरी से जुआ गांव तक माइनर के साथ बने रोड पर इकट्ठा हुए ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

माछरी गांव से जुआ गांव तक माइनर के साथ बने रोड के दो महीने में ही टूटने के विरोध में जिला पार्षद संजय बड़वासनिया के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। संजय बड़वासनिया ने कहा कि रोड निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ है, जिसके कारण सड़क जगह-जगह से टूटकर गड्ढों में बदल गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदारों और अधिकारियों की मिलीभगत से घटिया कार्य हुआ है, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ और सड़कें दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं। ग्रामीणों ने कहा कि जिले के सभी गांवों और शहर की सड़कों की हालत खराब है और जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जांच और कार्रवाई न होने पर बुधवार को पीडब्ल्यूडी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में सरपंच सुरेंद्र, अशोक, सोनू, दीपक, नाना मेंबर, दिनेश, विकास, महेंद्र, ईश्वर सिंह, जितेंद्र, संदीप, अजीत, प्रदीप, अनुज आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। विरोध प्रदर्शन करते हुए ग्रामीण।

फील्ड कर्मचारियों ने की बैठक, मांगों पर की चर्चा

सोनीपत। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन से जुड़े सिंचाई विभाग दिल्ली के फील्ड कर्मचारियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुकेश देशवाल ने की और संचालन नरेश मलिक ने किया। इसमें प्रांतीय राजेश धनखड़ और जिला सचिव गुरुग्राम प्रदीप मालिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य मांगों में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, रेशनलाइजेशन नीति पर रोक, पुरानी पेंशन योजना लागू करना, आठवां वेतन आयोग गठन, निजीकरण पर रोक शामिल रही। राजेश धनखड़ ने कहा कि सरकार पीडब्ल्यूडी के तीनों विभागों को समाप्त कर रही है। सिंचाई विभाग में बेलदार, कैनल गार्ड, मेट, गेज रीडर समेत कई पद खत्म हो रहे हैं, नई भर्ती बंद है। इससे दिल्ली और गुरुग्राम में पीने के पानी व खेतों की सिंचाई पर संकट आएगा।

लावारिस हालत में मिले दो मासूम, बाल कल्याण समिति की देखरेख में भेजे गए

- बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जिसमें दोनों स्वस्थ पाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर रेलवे स्टेशन पर दो छोटे मासूम लावारिस हालत में मिले। दोनों बच्चों की उम्र लगभग 3 और 5 वर्ष बताई जा रही है। बच्चों को देखकर लगता है कि उन्हें किसी ने जानबूझकर छोड़ा है। बाल संरक्षण इकाई की प्रभारी उपासना और बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह रोहतक ने मामले में कार्रवाई करते दोनो बच्चों को रोहतक के लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम द्वारा संचालित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी में सुरक्षित पहुंचाया गया। बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जिसमें दोनों स्वस्थ पाए गए। आश्रम के सचिव युवराज सिंह ने प्रबंधक संदीप सिंह को विशेष निर्देश दिए कि दोनों बच्चों की देखभाल में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

गन्नौर। लखीराम आर्य जगन्नाथ आश्रम द्वारा संचालित विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी, जिसमें बच्चों को छोड़ा गया है। *फोटो :हरिभूमि*

शिशु मृत्यु दर कम करने को लेकर सेमिनार का आयोजन

डायरिया व एनीमिया से बचाव पर दिया जोर

सोनीपत। सेमिनार ने आयोजित कर्मी।

सोनीपत। जिले में शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से शनिवार को नागरिक अस्पताल के जिला परीक्षण केंद्र में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिप्टी सिविल सर्जन डा. जितेंद्र ने की। इस मौके पर जिले की सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहीं। सेमिनार में डायरिया और एनीमिया से बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. जितेंद्र ने बताया कि प्रदेश में हर 1000 जन्मे बच्चों में से छह बच्चों की मौत डायरिया से और आठ बच्चों की मौत एनीमिया से हो जाती है। उन्होंने कहा कि डायरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग नियमित रूप से पखवाड़े आयोजित करता है, जिनमें ओआरएस और जिंक की गोलियां वितरित की जाती हैं। इस दौरान डायरिया रोगियों का उपचार, ओआरएस-जिंक केंद्रों की स्थापना, छोटे बच्चों के घर-घर जाकर ओआरएस वितरण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता जैसी गतिविधियां की जाती हैं। उन्होंने कहा कि डायरिया से अधिकतर मौतें गर्मियों और बरसात के मौसम में होती हैं, जिनसे गरीब व कमजोर वर्ग के बच्चे ज्यादा प्रभावित होते हैं। समय पर उपचार, ओआरएस-जिंक का सही उपयोग, पौष्टिक आहार, साफ पानी, हाथ धोने की आदत, टीकाकरण और स्तनपान से इन मौतों को रोका जा सकता है। विशेषज्ञों ने बच्चों में एनीमिया को गंभीर समस्या बताया।

गुटबाजी खत्म कर पार्टी को आगे बढ़ाने में सभी करें भागीदारी : कमल दिवान

- बूथ, ब्लाक और मंडल की कार्यकारिणी जल्द बनाएगी कांग्रेस, पार्टी होगी मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सुभाष चौक स्थित कांग्रेस भवन में शनिवार को कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान व ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजीव दहिया की अध्यक्षता में नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राहुल गांधी द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अनुशासन कायम रखने और गुटबाजी समाप्त करने पर विशेष जोर दिया गया। शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने और जनता तक कांग्रेस की नीतियों को पहुंचाने के लिए बूथ, मंडल और ब्लाक स्तर की कार्यकारिणी जल्द गठित की जाएगी।

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित कांग्रेस जिलाध्यक्ष, विधायक एवं अन्य।

कार्यकर्ताओं से मिलकर कार्य करने की अपील

कमल दिवान ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गुटबाजी को खत्म कर अनुशासन के साथ मिलकर काम करें। गुटबाजी की वजह से पार्टी को पहले नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन अब समय है कि सब मिलकर संगठन को मजबूती दें। कमल दिवान ने कहा कि कार्यकारिणी सदस्यों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि वे नियमित रूप से जनता के बीच जाकर गतिविधियां करें और पार्टी की नीतियों को प्रचारित करें। उन्होंने कहा कि जनता से सीधा जुड़ाव ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। बैठक में विधायक इंदुराज नरवाल, पूर्व विधायक जगबीर मलिक, पूर्व विधायक जयवीर वाल्मीकि, पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार, पूर्व विधायक पदम सिंह दहिया, जयभगवान आंतिल, सुरेंद्र शर्मा, प्रदीप गौतम, पूर्व जिला अध्यक्ष भगत सिंह, जोगिंदर दहिया, जाट संस्था के प्रधान सुरेंद्र दहिया, सतपाल चौहान, अशोक छाबड़ा, अनंत दहिया, जयवीर आंतिल, राजेश प्रकाश और विनीत राठी सहित अनेक कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में एम्बीशन हाउस प्रथम

गोहाना। प्रतियोगिता में विजेता घोषित विद्यार्थी अपनी शिक्षिकाओं के साथ।

- डीबीएम पब्लिक स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में झलकी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना-महम मार्ग पर गांव मदीना में स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में शनिवार को सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मार्गदर्शन स्कूल के एमडी विकास मलिक का रहा। अध्यक्षता प्राचार्य जगजीत सिंह मलिक ने की। संचालन सुनीता नरवाल ने किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एम्बीशन हाउस, करेज हाउस, पैशन हाउस और एन्थूजिएजम हाउस की टीमों ने प्रतिभागिता की। इन टीमों में कक्षा पहली से कक्षा चौथी तक के विद्यार्थी शामिल रहे। कड़े मुकाबले के बाद इस प्रतियोगिता में एम्बीशन हाउस विजेता बना। इस हाउस की टीम में कक्षा पहली से नव्या, कक्षा दूसरी से वंश, कक्षा तीसरी से अविराज और मानवी व कक्षा चौथी से रेहान शामिल रहे। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को शिक्षिका सुदेश मलिक, प्रीती मलिक और कविता ने अपना आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

निर्माण स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज सिस्टम पर जल्द काम शुरू करने का दिया आश्वासन

विधायक ने वार्ड 14 में 45 लाख रुपये की लागत से 6 गलियों का किया शिलान्यास

- उच्च गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शनिवार को हलका विधायक देवेंद्र कादियान ने शहर के वार्ड 14 में करीब 45 लाख रुपये की लागत से बनने वाली 6 गलियों का नारियल तोड़कर शिलान्यास किया। विधायक कादियान ने निर्माण कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने और उच्च गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए। गली निर्माण के साथ-साथ विधायक कादियान ने शहर के अन्य विकास कार्यों को लेकर नपा अधिकारियों को भी निर्देशित किया।

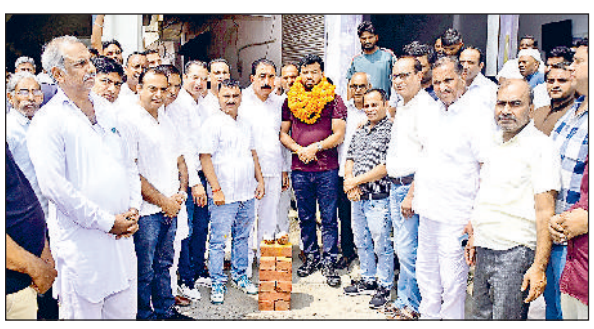

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान 45 लाख की लागत से बनने वाली 6 गलियों का शिलान्यास करते हुए।

तेजी से किए जाएंगे विकास कार्य : विधायक

विधायक ने कहा कि गन्नौर के सभी वार्डों में तेजी से विकास कार्य किए जाएंगे ताकि स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया और उनके प्रयासों को सराहा। विधायक कादियान ने शहर में बरसाती पानी का ठहराव एक बड़ी समस्या बताते हुए कहा कि इसे हल करने के लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने स्ट्रॉम वाटर ड्रेनेज सिस्टम पर काम शुरू करने का आश्वासन दिया और दावा करते हुए कहा कि इस परियोजना से गन्नौर को अगले 50 साल तक जलभराव से मुक्ति मिलेगी। जल्दी ही अब समस्याओं के समाधान की दिशा में काम शुरू किया जा रहा है, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या से न जूझना पड़े। कार्यक्रम के दौरान वार्ड पार्षद दिनेश अदलखा, नपा सचिव प्रदीप खर्ब, जेई अरविंद, पूर्व अध्यक्ष ईश्वर कश्यप, अंकित मल्होत्रा, हरीश मदान, सुखबीर प्रधान, दिनेश स्वामी, जोगेंद्र सहित अन्य स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

गोहाना। महिलाओं के साथ कलश यात्रा निकालते हुए डॉ. रीटा शर्मा।

भाजपा शासन में सनातन विचारधारा हुई मजबूत : रीटा

गोहाना। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल के दौरान सनातन विचारधारा को मजबूती मिली है। भगवान श्रीराम टैंट से भव्य मंदिर में स्थापित हुए हैं और भारतीय सनातन परंपरा को लेकर आमजन ही नहीं अपितु देश का युवा वर्ग भी जागरूक हुआ है। डॉ. रीटा शर्मा शनिवार को गांव सिकंदरपुर माजरा में श्रीमद भागवत कथा व कलश यात्रा का शुभारंभ करने पहुंची। वह कथा वाचक प्रीति रामानुज और सैंकड़ों महिलाओं के साथ कलश यात्रा में शामिल हुईं। डॉ. रीटा शर्मा ने कहा कि भारतीय सभ्यता व संस्कृति में आमजन ही नहीं दुनिया का विश्वास मजबूत हुआ है। इस अवसर पर रामनिवास शर्मा, हरिओम, पवन, सुदेश, विजय, संजय, अनिल, दीपक, राकेश, सुनील, सतीश, नवीन गौड़, कर्ण सिंह, जयपाल पटवारी, कृष्ण गोपाल, बिजेंद्र दयाकिशन, सुधीर और लवेश शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सरपंच ग्राम पंचायत नगर
ब्लॉक गोहाना-131301 जिला सोनीपत

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में 61 सफेदे के वृक्षों की बोली दिनांक 02.09.2025 को सामान्य चौपाल, नगर में दिन में प्रातः 11:00 बजे होनी निश्चित हुई है। अतः जो भी इच्छुक ठेकेदार है वह उपरोक्त तारीख को बोली के लिए गांव में उपस्थित हो सकता है। बोली की सिक्योरिटी राशि 25000/- रूपये होगी एवं बतौर ग्राम पंचायत नगर के नाम डिमांड ड्राफ्ट द्वारा स्वीकार की जाएगी। बोली की अन्य शर्तें मौके पर पढ़कर सुनाई जाएंगी।

हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत नगर
गोहाना (सोनीपत)
मो. नं. 89500-03700

कन्या महाविद्यालय, खरखौदा

को सरकारी दर्जा दिलाने पर कोटि-कोटि "धन्यवाद"

श्री नायब सिंह सैनी जी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

श्री महिपाल ढांडा जी
शिक्षा मंत्री, हरियाणा

कन्या महाविद्यालय खरखौदा की गौरवशाली यात्रा वास्तव में प्रेरणादायक है। महाविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद से ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है।

भविष्य की योजनाएँः

अब सरकार ने कॉलेज को टेकओवर कर लिया है। कर्मचारियों को भी सौगात मिली है। महाविद्यालय की गौरवशाली यात्रा को देखते हुए, यह उम्मीद की जा सकती है कि भविष्य में भी महाविद्यालय नए आयामों को छुएगा और महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा।

महाविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियाँः

1. **स्थापना और विस्तारः** महाविद्यालय की स्थापना गणमान्य स्वयंसेवियों द्वारा 1993 में की गई थी और 1999 में कॉलेज ग्रांट इन एड पर आया जिसमें माननीय श्रीमती कृष्णा गहलावत जी का अभूतपूर्व योगदान रहा। तब से महाविद्यालय लगातार विस्तार कर रहा है, नए पाठ्यक्रम और सुविधाएँ जोड़ रहा है।
2. **नैक मान्यताः** महाविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त कर ध्रुव तारे की तरह देदीप्यमान है, जो इसकी गुणवत्ता और उत्कृष्टता को दर्शाता है।
3. **पाठ्यक्रमों की विविधताः** महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।
4. **खेल और सुविधाएँः** महाविद्यालय में बास्केटबॉल कोर्ट, इंडोर स्पोर्ट्स हॉल, 200 मीटर रनिंग ट्रैक, बस सुविधा, छात्रावास, अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित व्यायामशाला, नए भवन और स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना की गई है।

श्री पवन खरखौदा जी
(विधायक खरखौदा, विधानसभा)

खरखौदा के लोकप्रिय विधायक पवन खरखौदा ने कन्या महाविद्यालय को सरकारी दर्जा दिलाने के लिए विधानसभा में आवाज उठाई। जिसके फलस्वरुप कॉलेज को सरकारी दर्जा मिला। इनका इस कार्य में विशेष योगदान है। अब क्षेत्र की बेटियों को यहां रियायती दरों पर शिक्षा मिलेगी। "बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ" अभियान को सार्थक करते हुए भाजपा सरकार ने खरखौदा के कन्या कॉलेज को सरकारी दर्जा दिया है।

श्री वेद प्रकाश दहिया
प्रधान

सन 1998 से लेकर कॉलेज के सरकारी होने तक (2025) संस्था के प्रधान श्री वेद प्रकाश दहिया के कुशल नेतृत्व में हजारों बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्वावलंबी बनी। आपके मार्गदर्शन में कॉलेज ने नित नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब कॉलेज को सरकारी दर्जा दिलाने में भी आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

श्रीमती कृष्णा गहलावत जी
(विधायक राई हल्का)

पूर्व मंत्री एवं वर्तमान राई हल्के की विधायक श्रीमती कृष्णा गहलावत के अथक प्रयासों से सन 1999 में कॉलेज ग्रांट इन एड पर आया, जो कॉलेज को सरकारी करने में मददगार साबित हुआ। कॉलेज के उत्थान में आपकी विशेष भूमिका रही है।

कन्या महाविद्यालय समिति प्रधान

श्री हुकम सिंह दहिया | श्री जयभगवान गुप्ता | श्री वेद प्रकाश दहिया

वर्तमान कार्यकारिणी समिति

वेद प्रकाश दहिया, प्रधान | डॉ सतबीर दहिया, उप प्रधान | नीरज दहिया, महासचिव | कुलदीप दहिया, सह सचिव | राजेंद्र गन्नौत्रा, कोषाध्यक्ष

प्राचार्य

डा. रघुनाथ एरी | श्री एच.डी.मलिक | डा.उषा कपूरिया | डा.सुरेश बूरा

महाविद्यालय के चहुंमुखी उत्थान में अपना अतुलनीय सहयोग देने वाले सत्यनिष्ठ कर्मठ व महानुभावों की सूची

श्री हुकम सिंह दहिया | श्री जयभगवान गुप्ता | श्री वेदप्रकाश दहिया | श्री धर्मपाल मलिक | श्रीमती बीरमति | पदम सिंह दहिया (MLA) | श्री जयवीर खरखौदा | डा. आर.के. सेठी | श्री रामफल दहिया | श्री कुलदीप दहिया | श्री रामकुमार सैनी

श्री वेदपाल दहिया | श्री सुरेश कुमार चुघ | श्री रामफूल दहिया | श्री यादराम गर्ग | श्री नीरज दहिया | श्री विजय गर्ग | श्री दिलीप सिंह | मा. रामपाल दहिया | लाला अजूध्या प्रसाद | श्री जगदीश दहिया | श्रीमती कमला सैठी

ओमपति | श्री राजसिंह दहिया | पंडित नत्थुराम | डा. श्रीधर वशिष्ट | डा. रघुनाथ ऐरी | श्री दरबारी लाल | श्री धर्मबीर दहिया | श्री सुरेन्द्र सिंह | श्री ओम प्रकाश दहिया | श्री सूरत सैनी | श्री धर्मपाल रोहिल्ला

श्री भोला राम | श्री लाला बिशन स्वरूप | श्री सुखदयाल नम्बरदार | श्री जगदीश चन्द्र अरोडा | पं. रामचन्द्र पाराशर | श्री श्यामलाल बंसल | श्री रमेश गर्ग | डा. रणसिंह सैनी | श्री जोगेन्द्र सिंह | श्री राजकुमार एडवोकेट | श्री जयकंवार सैनी

Contact No. 0130-2584110, 0130-2120532, Website: www.kmkharkhoda.com

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 31 अगस्त 2025

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

{ आवरण कथा / लोकमित्र गौतम }

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

{ विचारणीय / अलका सोनी }

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकती है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

{ कहानी / संजीव ठाकुर }

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

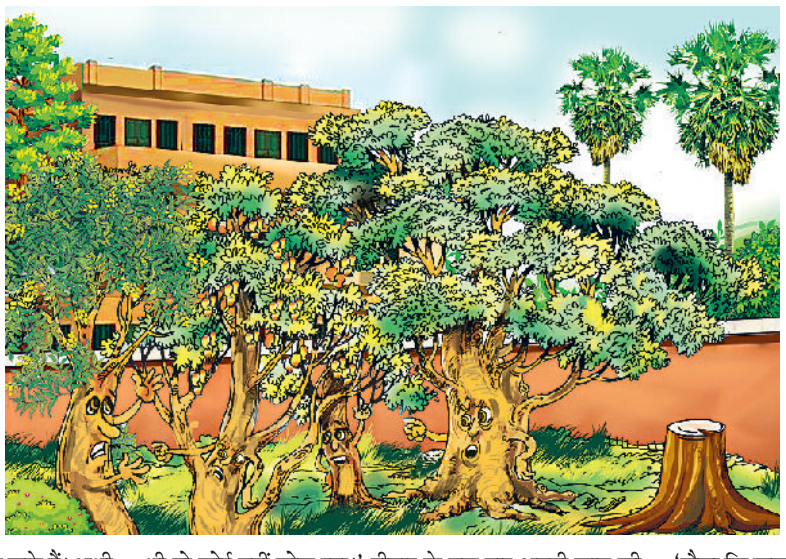

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क' }

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 31 अगस्त 2025

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस / समीर चौधरी

बहुत से पर्यटक खूबसूरत समुद्र तट देखने के लिए विदेशों का रुख करते हैं। जबकि अपने ही देश में एक से बढ़कर एक मनमोहक समुद्र तटीय शहर मौजूद हैं। इन शहरों में समुद्रतटीय सौंदर्य के अलावा और भी बहुत कुछ दर्शनीय है। यहां आपको ऐसे ही अमेजिंग सी-बीचेज वाले शहरों के बारे में बता रहे हैं।

अपनी सुंदरता से मोहित कर देंगे देश के ये समुद्र-तटीय शहर

बीच लवर्स का पसंदीदा वर्कला

केरल में अरब सागर को स्पर्श करता हुआ वर्कला शहर, बीच लवर्स के लिए विशिष्ट जगह माना जाता है। खासतौर पर इसका पापनासम बीच बहुत ही पवित्र स्थल माना जाता है। इससे जुड़ी कई आध्यात्मिक मान्यताएं हैं। चट्टानों के आस-पास सुंदर कैफे, दुकानें और योगा केंद्र, आध्यात्मिक स्पर्श के साथ प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए आदर्श जगह है, जहां तटीय आकर्षण के साथ शांति भी मिलती है। *

पुर्तगाली विरासत का झरोखा दीव

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित दीव, छोटा सा सुंदर द्वीपीय शहर है, जहां पुर्तगाली विरासत के दर्शन तो होते ही हैं, यहां कई मनोरम समुद्र तट भी हैं। यहां के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में शामिल हैं दीव फोर्ट, नैदा गुफाएं और सेंट पॉल चर्च। इनके अलावा जब आप इस शहर में घूमने जाएं नागोया बीच और घोघला बीच को देखना ना भूलें। यहां पर्यटक वाटर स्पोर्ट्स का भी खूब आनंद ले सकते हैं। *

कोलोनियल अट्रैक्शन का जादू पुडुचेरी

पुडुचेरी को 'फ्रेंच रिवेरा ऑफ द ईस्ट' के नाम से भी जाना जाता है। यहां आपको कोलोनियल अट्रैक्शन और मॉडर्न इंफ्रास्ट्रक्चर का गजब का संगम देखने को मिलेगा। पेड़ों की लंबी-लंबी कतारों वाले बुलेवार्ड और मन को लुभाने वाले गोल्डन बीच, ऐसा जादुई आकर्षण उत्पन्न करते हैं, लगता है जैसे नेचर ने फुर्सत में इसे पिक्चराइज किया है। यहां पर्यटक फ्रेंच क्वार्टर्स में चहलकदमी कर सकते हैं, कैफेटेरिया में सुकून से कॉफी का आनंद ले सकते हैं। सबसे खास आकर्षण यहां का पैराडाइस बीच है, जहां पर डूबते हुए सूरज को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। औरोविले और श्री अरबिंदो आश्रम का शांत वातावरण आपको अनोखी आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगा। *

अनोखा-सुंदर समुद्र तट है कच्छ

गुजरात के कच्छ क्षेत्र में मांडवी गजब का आकर्षक स्थल है, जो अपने मांडवी सी-बीच और 16वीं शताब्दी में निर्मित विजय विलास पैलेस के लिए जाना जाता है। शांति से समुद्र तट के पास समय गुजारने की चाहत वाले पर्यटकों के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। यहां आप लकड़ी के परंपरागत धो (पाल वाली नौका) को करीब से देख सकते हैं, जो इस क्षेत्र की विरासत का प्रतीक है। *

कई अट्रैक्टिव बीचेज वाला गोकरण

एक समय तक कर्नाटक के समुद्रतटीय गोकरण के बारे में कम पर्यटक ही जानते थे। लेकिन हाल के वर्षों में यह तटीय शहर गोवा के समान ही पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। यहां आपको वर्जिन बीच के अलावा ओम बीच और कुदले बीच देखने को मिलेंगे। ट्रैकिंग के लिए भी गोकरण परफेक्ट शहर है। यहां अनेक योगा रिट्रीट्स भी मौजूद हैं, जिनसे आध्यात्मिकता का अनुभव लिया जा सकता है। *

सबसे दक्षिणी समुद्री किनारा कन्याकुमारी

भारत का सबसे दक्षिणी सिरा कन्याकुमारी है, जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर आपस में मिलते हैं। यह शहर सूरज के उगने और डूबने के अद्भुत नजारों और समुद्रों के संगम के लिए विख्यात है। हालांकि यहां देखने को और भी बहुत कुछ है, लेकिन पर्यटक विशेष रूप से विवेकानंद रॉक मेमोरियल और थिरुवल्लुवर मूर्ति के दर्शन करने के लिए आते हैं। *

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है क्लीयर टार्गेट

अगर मेहनत किए जाने की दिशा ही स्पष्ट न हो, तो फिर चाहे आप कितना ही कुछ कर लें, कामयाबी नहीं मिल सकती। करियर में सक्सेस पाने के लिए क्लीयर टार्गेट होना क्यों जरूरी है, जानिए।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

कीर्तिशेखर

जीवन में सफलता पाने की दौड़ में कई लोग दिन रात मेहनत करते हैं, लेकिन हर मेहनत करने वाला अपनी मंजिल पा ही ले, यह जरूरी नहीं है। कारण सिर्फ इतना है कि कई लोग मेहनत तो करते हैं, लेकिन उनकी मेहनत की कोई स्पष्ट दिशा नहीं होती। जबकि करियर में सफलता पाने के लिए लक्ष्य की स्पष्टता बहुत जरूरी होती है।

इसलिए जरूरी है लक्ष्यः लक्ष्य हर पल याद कराए रखता है कि आपको किस ओर बढ़ना है, भटकना नहीं है। इस तरह देखें तो लक्ष्य स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। अगर आप एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो चाहे आप जितनी मेहनत करते हों, उन लोगों से हमेशा आगे रहेंगे, जो बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के भटकते रहते हैं, फिर चाहे वो इस दौरान कितनी ही हाड़ तोड़ मेहनत क्यों न कर लें। लक्ष्य केवल हमें उत्साहित ही नहीं रखता बल्कि लगातार कठिनाइयों के समय भी लक्ष्य की प्रेरणा हमें अपनी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती है।

अगर हमारे सामने एक लक्ष्य है तो हम एक निश्चित समय के बाद इस बात का वैज्ञानिक आकलन कर सकते हैं कि आखिर हम अपने लक्ष्य की ओर कितना आगे बढ़े हैं? बढ़े भी हैं या वहीं के वहीं खड़े हैं।

अनिश्चित लक्ष्य से होता है भटकावः सुरेश के उदाहरण से इसे और अच्छी तरह समझ सकते हैं। वह 12वीं पास करने के बाद से ही सिविल सर्विसेस में जाने का सपना देखता था। लेकिन उसका यह लक्ष्य स्पष्ट नहीं था। उसने कुछ दिन तक सिविल सर्विसेस परीक्षा की तैयारी की और फिर किसी ने कहा एमबीए का स्कोप भी अच्छा है, अतः वह एमबीए में लग गया। जब एमबीए क्लीयर नहीं हुआ, तो किसी ने कहा व्यावहारिक यही है कि पहले एसएससी का एग्जाम क्लीयर कर लो, इसके बाद सिविल सर्विसेस बेहतर रहेगा। अतः वह एसएससी की तैयारी में लग गया। लेकिन पांच साल बीत गए उसे किसी क्षेत्र में भी कोई सफलता नहीं मिली। न वो आईएएस बन सका, न एमबीए कर सका और यहां तक कि एसएससी भी क्लीयर नहीं कर पाया। जब पांच साल बीत गए उसे बड़ा पछतावा हुआ और जब उसने दृढ़ निश्चय कर लिया कि एक साल वह अपना स्पष्ट टाइम टेबल बनाकर यूपीएससी की अच्छी तरह से तैयारी करेगा। अंततः वह तीसरे प्रयास में सचमुच सफल हो गया। इस उदाहरण का मोरल संदेश यही है कि अगर सफलता चाहते हैं, तो अपने लक्ष्य को बिल्कुल स्पष्ट रखें, लक्ष्य से जरा भी इधर या उधर न भटकें। ऐसा करेंगे तो सफलता हर हाल में मिलेगी।

लक्ष्य से आसान हो जाती है राहः सुरेश से ही मिलती-जुलती कहानी वनिता की है। वनिता एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और चाहती थी कि वह अगले कुछ सालों में कंपनी की मैनेजर बन जाए। लेकिन कितने समय के भीतर कंपनी का मैनेजर बनना है या मैनेजर बनने के लिए क्या-क्या करना है, ऐसा कोई भी खाका उसके पास नहीं था। इसलिए चार साल गुजर गए। लेकिन मैनेजर नहीं बन सकी। एक दिन उसने अपने सीनियर से सलाह ली और उनके सामने अपने सपने को खोलकर रख दिया। सीनियर हमदर्द थे, तो उन्होंने ईमानदारी से समझाया कि प्रमोशन पाने के लिए पहले अपने आपमें कई तरह के स्किल्स डेवलप करने होंगे। क्योंकि किसी भी कंपनी के मैनेजर को विभिन्न प्रोजेक्ट्स में सफल होने के लिए इस तरह के स्किल्स की जरूरत होती है। वनिता को समझ में बात आ गई, उसने डिजिटल मार्केटिंग का सर्टिफिकेट कोर्स किया, टीम लीड प्रोजेक्ट्स लिए और खुद को एक दिशा देकर तैयार किया। आज वनिता अपनी कंपनी में मैनेजर है। इस उदाहरण की सीख है कि अगर कुछ खास बनना चाहते हैं तो पहले ही दिन से एक स्पष्ट लक्ष्य रखना जरूरी है।

लब्बोलुआब यह कि जो भी अपनी जिंदगी में स्पष्ट लक्ष्य बनाता है, वह हर हाल में सफल होता है। इसलिए अगर आप भी अपने करियर में कामयाबी चाहते हैं, तो अपना लक्ष्य स्पष्ट बनाएं और बनाएं ही नहीं बल्कि उस पर अमल भी करें। *

फैशन ट्रेंड

प्रतिमा अरोड़ा

नए फैशन ट्रेंड के अनुसार पिछले कुछ समय से यंगस्टर्स की पसंद में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं। खासतौर पर शर्ट्स में नए-नए एक्सपेरिमेंट्स युवाओं को खूब भा रहे हैं। इस बदलते फैशन ट्रेंड पर एक नजर।

यंगस्टर्स की शर्ट्स में दिख रहे नए फैशन मूड्स

हाल के महीनों में यंग मेन की शर्ट्स में जो फैशनेबल बदलाव दिख रहे हैं, वास्तव में फैशन के नए मूड्स को दर्शाते हैं, जिनमें आजकल के युवा सहज, बोल्ड और बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

ओवरसाइज्ड-रिलैक्स्ड फिटः यह बेहद कंफर्टेबल और लूज शर्ट होती है। साल 2025 की गर्मियों में इसका जलवा खूब देखने को मिला है। मार्केट में इसकी आमद और उपलब्धता देखकर यह एहसास किया जा सकता है कि इस त्योहारी मौसम में यह जलवा पूरी तरह से बरकरार रहेगा। दरअसल, ये शर्ट्स युवाओं के लिए बेहद कंफर्टेबल होती हैं। इनमें ओवरसाइज्ड कट, ड्राफ्ट शोल्डर और फ्री फ्लोइंग स्लिप इन दिनों खूब ट्रेंड में हैं। हालांकि यह नया फैशन ट्रेंड नहीं है, अमेरिका में 60 और 70 के दशक में यह ट्रेंड रहा है। लेकिन फिर बॉडी फिट शर्ट्स के चलन के कारण यह ट्रेंड गायब हो गया था। लेकिन इन दिनों टेलर्ड ट्राउजर्स के साथ लूज शर्ट्स का ट्रेंड फिर से युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इससे इन्हें निःसंदेह कूल लुक मिलता है।

ओवरसाइज्ड शर्ट

सैज ग्रीन शर्ट

फ्लेमिंगो पिंक शर्ट

डिजिटल डिजाइन शर्ट

एआई इंस्पायर्ड प्रिंट्सः यह एआई का दौर है और एआई का प्रभाव फैशन ट्रेंड्स पर भी देखने को मिल रहा है। एक समय था, जब बड़े-बड़े प्रिंट्स वाली शर्ट का ट्रेंड था। लेकिन अब माइक्रो प्रिंट, ब्रश आर्ट पैटर्न और एआई जेनरेटेड डिजिटल डिजाइन वाली शर्ट्स यंगस्टर्स के बीच ज्यादा लोकप्रिय हैं। इसके साथ ही ग्लोबल ट्रेंड में रोज ग्राफिक और ज्योमेट्रिकल प्रिंट भी खूब देखने को मिल रहे हैं।

अर्थी कलर्स और म्यूटेड टोनः ये काफी नेचुरल दिखने वाले कलर होते हैं। इनमें रस्ट आयरन, सेज ग्रीन और सैंड स्टोन जैसे कलर कॉम्बिनेशन पूरी दुनिया में पसंद किए जा रहे हैं। इन कलर्स के शर्ट्स किसी भी आउटफिट के साथ इंप्रेसिव लुक देते हैं।

बोल्ड कलर-टेक्नो प्रिंटः हाल के दिनों में युवाओं के शर्ट्स के कलर और प्रिंट बहुत बोल्ड भी हो गए हैं। जैसे फ्लेमिंगो पिंक, टेंगरिंग यलो आदि। दरअसल, ये ब्राइट प्रिंट भी एआई जनरेटेड प्रिंट है। यह ग्लैमरस, टेक्नोआर्टिस्टिक ट्रेंड को दर्शाते हैं। खादी, जामदानी, ऑर्गेनिक कॉटन, बैंबू फैब्रिक आदि में भी ये बोल्ड कलर और प्रिंट, सस्टेनेबिलिटी के साथ कल्चर फ्यूजन के साथ देखे जा रहे हैं।

टेक्स्चर और फैब्रिकः आजकल यंगस्टर्स अपनी शर्ट्स के लिए सिर्फ कॉटन ही नहीं लिनेन, स्लब कॉटन और काड्रो जैसे फैब्रिक्स को भी तरजीह दे रहे हैं। ये फैब्रिक्स कंफर्टेबल तो होते ही हैं, साथ ही इन फैब्रिक से बने शर्ट साधारण लुक में भी एक खास अट्रैक्शन एड करते हैं।

हाइब्रिड वर्जन भी है ट्रेंड मेंः अब युवाओं की शर्ट्स सिर्फ फॉर्मल या कैजुअल भर नहीं हैं। इनका एक इंटरमीडिएट वर्जन भी आ चुका है, जो न पूरी तरह से फॉर्मल होता है और न ही पूरी तरह से कैजुअल होता है। चाहें तो आप इसे हाइब्रिड वर्जन या हाइब्रिड स्टाइल भी कह सकते हैं। मैंडरिन कॉलर शर्ट्स और स्पोर्टी एलीमेंट के साथ-साथ फैशन डिटेल वाले हाइब्रिड डिजाइन युवाओं को खूब भा रहे हैं।

मल्टी पॉकेट्स वाली शर्ट्सः आजकल कई सारी पॉकेट्स वाली शर्ट भी यंगस्टर्स के बीच काफी पॉपुलर हैं। कुछ शर्ट्स में तो पांच हाई पॉकेट और टेक-स्टिच सुविधाएं भी रहती हैं। अब के पहले शर्ट्स में या तो कोई जेब नहीं होती थी या एक-दो जेब होती थीं। दो से ज्यादा जेबें शर्ट्स में नहीं होती थीं। कुछ कोट शर्ट्स जरूर ऐसी होती हैं, विशेषकर मेडिकल प्रोफेशनल्स के ड्रेसअप चलन में दिखती हैं, जिनमें दो से ज्यादा और आमतौर पर चार पॉकेट्स देखी जाती हैं। लेकिन ऐसी शर्ट्स आम लोग नहीं पहनते थे। आमतौर पर अस्पतालों में नर्सें या टेक्निकल साइट्स में इंजीनियर और दूसरे कारीगर पहने दिखते हैं। कॉलेज गोइंग यंगस्टर्स में ऐसी शर्ट्स पहले नहीं दिखती थीं, लेकिन अब ऐसी शर्ट्स पहनकर यंगस्टर्स पार्टीज तक में भी दिख रहे हैं।

कुल मिलाकर हाल के दिनों में युवाओं की शर्ट्स में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट्स किए जा रहे हैं और ये एक्सपेरिमेंट्स आज के युवाओं को खूब भा भी रहे हैं। *

सिने-जगत

डी.जे. नंदन

हिंदी फिल्मों की एक सदी से अधिक की यात्रा में अनेक ऐसे किरदार रचे गए, जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इनमें से कई किरदारों की लोकप्रियता आज भी कायम है। बॉलीवुड के ऐसे पांच यादगार किरदारों पर एक नजर।

भुलाए नहीं भूलते बॉलीवुड के ये पांच यादगार किरदार

राज की भूमिका में राज कपूर

विजय की भूमिका में अमिताभ बच्चन

राज के किरदार में शाहरुख खान

भारतीय सिनेमा ने करीब सवा सौ साल की यात्रा पूरी कर ली है। इस लंबी यात्रा में भारतीय सिनेमा विशेषकर बॉलीवुड ने अनगिनत यादगार किरदार रचे हैं। कुछ किरदार पर्दे में प्रकट होते ही दर्शकों के दिल में कुछ समय के लिए जगह तो बना लेते हैं। लेकिन वक्त गुजरने के साथ इनकी छाप फीकी पड़ने लगती है। जबकि कुछ कालजयी किरदार ऐसे भी हुए हैं, जो दशकों से अलग-अलग पीढ़ियों के दिल में पूरी तरह से छाए हुए हैं और शायद अगली कई पीढ़ियों तक ऐसे ही बने रहेंगे। हालांकि तकनीकी तौर पर अभी ऐसे किरदारों ने एक शताब्दी तो नहीं पूरी की, लेकिन कुछ किरदारों की दर्शकों में जिस तरह की तरोताजगी है, वे आज भी जिस तरह रोमांचित और बेचैन करते हैं, उससे यह अतिश्योक्ति नहीं लगती कि एक सदी बाद भी वे इसी तरह सिने दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाए रखेंगे। इनके बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

राज के किरदार में राज कपूरः सन 1955 में राज कपूर की फिल्म 'श्री 420' आई थी। इस फिल्म के किरदार राज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस फिल्म का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिश्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' उन दिनों खूब लोकप्रिय हुआ था। आज भी यह गीत सुना और गाया-गुनगुनाया जाता है। 'श्री 420' के राज का किरदार न केवल इस गीत के साथ भारतीय समाज की अभिव्यक्ति में तरोताजा है बल्कि बड़े-बड़े संदर्भों वाली बतकहियों या विमर्शों में भी लोग अपनी खांटी भारतीयता का एहसास कराने के लिए गीत की ये पंक्तियां गुनगुना देते हैं। फिल्म में राज एक सीधा-सादा, गरीब युवक है, जो बॉम्बे जैसे बड़े शहर में रोजी-रोटी की तलाश में आता है। लेकिन बॉम्बे की चमक-दमक और तेज रफ्तार जिंदगी में उसकी सादगी, मासूमियत और नेकदिली फिट नहीं हो पाती। लेकिन अंत में तमाम चालाकियों से भरे समाज में उसके सच्चे दिल और ईमान की यह खूबियां ही सबका दिल जीतती हैं। यह फिल्म, इसके गीत और फिल्म का किरदार राज दशकों से दर्शकों का दिल जीतता आया है और आगे भी यह सिलसिला जारी रहेगा।

गब्बर सिंह के किरदार में अमजद खानः 'शोले' फिल्म में अमजद खान द्वारा निभाया गया डाकू गब्बर सिंह का किरदार अपने आप में एक मील का पत्थर है। 'कितने आदमी थे?', 'जो डर गया, समझो मर गया', फिल्म में गब्बर सिंह द्वारा बोले गए ये डायलॉग्स सिर्फ सिने संवाद नहीं हैं बल्कि लोकभाषा के मुहावरे की तरह बन गए हैं, जो आज भी लोगों द्वारा सामान्य बातचीत में इस्तेमाल किए जाते हैं। 1975 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'शोले' ने कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही, साथ ही अमजद खान द्वारा निभाया गया गब्बर सिंह का किरदार भी दर्शकों के मन में अमर हो गया।

गब्बर सिंह के रोल में अमजद खान

विजय के रोल में अमिताभ बच्चनः फिल्म 'दीवार' में अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता अमिताभ बच्चन का यह एंग्री यंगमैन किरदार विजय हमेशा-हमेशा के लिए फिल्मी इतिहास के फ्रेम में फ्रीज हो चुका है। याद कीजिए, फिल्म में विजय यानी अमिताभ बच्चन द्वारा बोला गया सुपरहिट डायलॉग, 'आज मेरे पास बंगला है, गाड़ी है, बैंक बैलेंस है, तुम्हारे पास क्या है?' आज भी यह डायलॉग हर सिने प्रेमी को बखूबी याद है। फिल्म ने कमाई और कामयाबी का कीर्तिमान तो स्थापित किया ही था। इसने भारतीय समाज को आईना दिखाने के लिए एक ऐसा अमर किरदार, ऐसे अमर डायलॉग्स दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है। विजय का किरदार हर उस आम आदमी का प्रतिनिधित्व करता है, जो मेहनत करता है, कोशिश करता है, व्यवस्था से हार जाता है और अंततः सिस्टम के खिलाफ बगावत कर बैठता है।

राज के किरदार में शाहरुखः 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का राज मल्होत्रा यानी शाहरुख खान अपने इस किरदार की बदौलत हमेशा-हमेशा के लिए रोमांस का पर्याय बन चुके हैं। 'डीडीएलजे' ने राज को केवल एक प्रेमी नायक नहीं बनाया बल्कि संस्कार और आधुनिकता के संगम का चेहरा भी दिया। फिल्म में राज मल्होत्रा की मुस्कान, उसकी शरारतें और सिमरन के लिए उसका धैर्य सबने दर्शकों को मोह लिया था। यह किरदार युवा पीढ़ी के बीच आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना फिल्म रिलीज के समय हुआ था।

मुन्ना भाई के रोल में संजय दत्तः मुन्ना भाई सीरीज की फिल्मों में संजय दत्त द्वारा निभाया गया मुन्ना का किरदार, उसके डायलॉग्स, 'जादू की झप्पी', गांधीगिरी

मुन्ना भाई के किरदार में संजय दत्त

सबकुछ आज भी उतना ही रेलिवेंट है, जितना फिल्म की रिलीज के वक्त था। फिल्म में मुन्ना का टपोरी किरदार अपने बुनियादी इंसानी गुणों के कारण बड़े पर्दे से निकल कर समाज की आत्मा में जा बसा। फिल्म में मुन्ना भाई का किरदार दर्शकों को हंसाते-हंसाते, मानवता और संवेदना का सुंदर पाठ पढ़ाता है। चाहे राज हो, गब्बर सिंह हो, विजय हो, राज मल्होत्रा हो या फिर मुन्ना भाई हो। ये सभी सिर्फ फिल्मी किरदार नहीं, ये भारतीय जनमानस में गहरी पैठ बना चुके हैं। *